तर्ज-तुझे प्यार करते करते

श्री राज कहते कहते मेरी उमर बीत जाए
हर पल ये सुरता मेरी,तेरे चरणों में ही आए

1- हर सांस में हो मेरे,तेरे नाम की ही धड़कन
कभी खेलूं कुंजवन में,तेरे संग कभी मधुवन
मेरी हर सदा में खुशबू,मेरे धाम की ही आए

2- माला मैं ऐसी पहनूं,जिसमें न हो शरीयत
तेरे इश्क की हो मारफत,तेरे इश्क की हो सोहोबत
जो भी मैं गीत गाऊं,तेरी याद वोह दिलाए

3- बोलूं मैं पिया पिया,तूं ही तूं ही रट लगाऊं
तूं ही नज़र में आए,जिस और नजर दौड़ायें
मदहोशी का हो आलम,कभी होश में न आयें

4- पिया गाऊं गुण तिहारे,और जाऊं वारी वारी
सब कुछ तेरेसहारे,मैं तो हूँ हारी हारी
ऐसे समाओ मुझमें,कुछ भी नजर न आए

Nijanand App